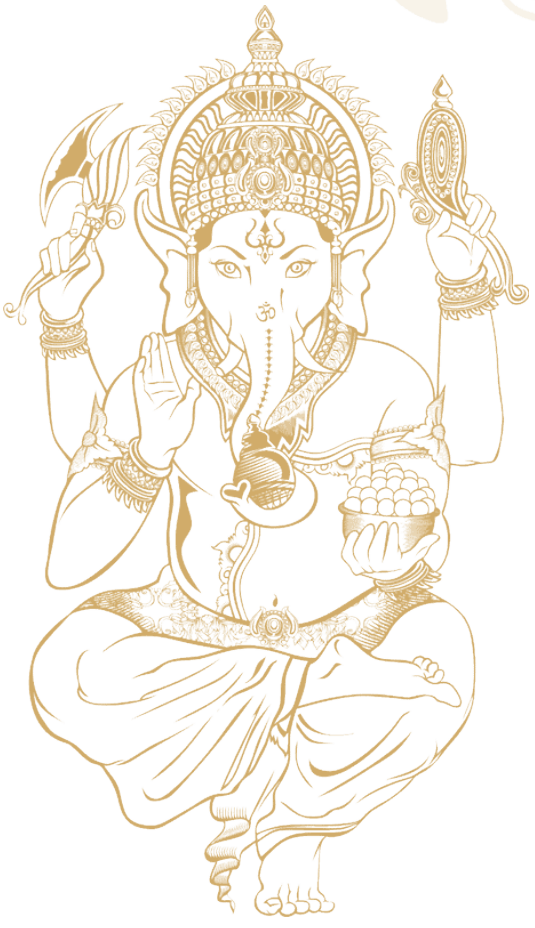

# Mr vivek

# Yashu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119418404

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 04/01/1996 | जन्म तिथि | 27/10/1995 |
| गुरुवार | दिन | शुक्रवार |
| घंटे 07:23:00 | जन्म समय | 19:00:00 घंटे |
| घटी 00:17:09 | जन्म समय(घटी) | 31:11:46 घटी |
| India | देश | India |
| Rewari | स्थान | Alwar |
| 28:11:00 उत्तर | अक्षांश | 27:32:00 उत्तर |
| 76:37:00 पूर्व | रेखांश | 76:35:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:23:32 | स्थानिक संस्कार | -00:23:40 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 07:16:08 | सूर्योदय | 06:30:42 |
| 17:40:22 | सूर्यास्त | 17:44:19 |
| 23:48:12 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:48:01 |

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मंगल 3वर्ष 7मा 18दि | | 19:53:03 | धनु | लग्न | वृष | 03:41:43 | बुध 5वर्ष 10मा 0दि | |
| गुरु | | 19:10:26 | धनु | सूर्य | तुला | 09:51:18 | शुक्र | |
| 23/08/2017 | | 29:44:32 | वृष | चंद्र | वृश्चि | 25:25:29 | 27/08/2008 | |
| 23/08/2033 | | 02:46:10 | मक | मंगल | वृश्चि | 11:00:23 | 27/08/2028 | |
| गुरु | 11/10/2019 | 08:32:06 | मक | बुध | कन्या | 23:48:11 | शुक्र | 27/12/2011 |
| शनि | 24/04/2022 | 06:22:15 | धनु | गुरु | वृश्चि | 21:20:12 | सूर्य | 26/12/2012 |
| बुध | 30/07/2024 | 22:36:06 | मक | शुक्र | तुला | 27:39:15 | चन्द्र | 27/08/2014 |
| केतु | 05/07/2025 | 25:48:23 | कुंभ | शनि व | कुंभ | 24:44:38 | मंगल | 27/10/2015 |
| शुक्र | 05/03/2028 | 29:15:00 | कन्या व | राहु व | तुला | 02:41:48 | राहु | 27/10/2018 |
| सूर्य | 23/12/2028 | 29:15:00 | मीन व | केतु व | मेष | 02:41:48 | गुरु | 27/06/2021 |
| चन्द्र | 24/04/2030 | 05:43:18 | मक | हर्ष | मक | 02:54:48 | शनि | 27/08/2024 |
| मंगल | 31/03/2031 | 00:59:23 | मक | नेप | धनु | 29:06:49 | बुध | 28/06/2027 |
| राहु | 23/08/2033 | 08:14:49 | वृश्चि | प्लूटो | वृश्चि | 05:39:31 | केतु | 27/08/2028 |

**लग्न-चलित**

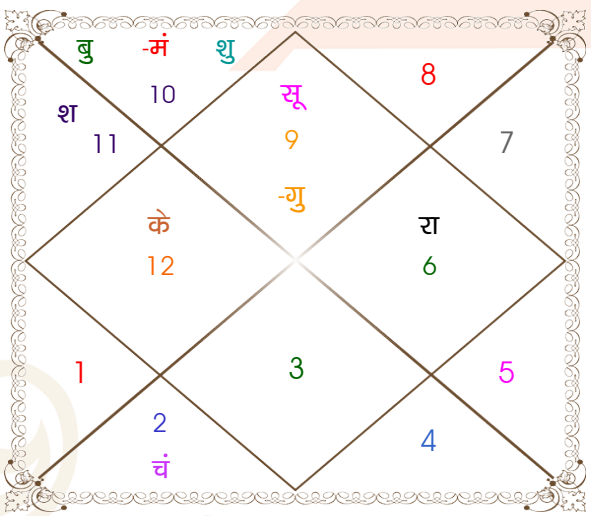


**लग्न-चलित**

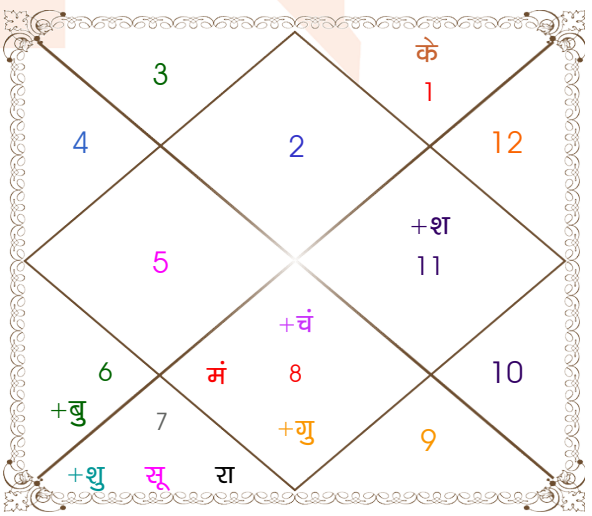

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | कीटक | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | साधक | प्रत्यारि | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | सर्प | मृग | 4 | 2.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | मंगल | 5 | 3.00 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | देव | राक्षस | 6 | 1.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृष | वृश्चिक | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | मध्य | आद्य | 8 | 8.00 | -- | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 23.50 | | |

Mr vivek का वर्ग मृग है तथा लैन  का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr vivek और लैन  का मिलान अत्युत्तम है।

## मंगलीक दोष मिलान

Mr vivek मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

लैन  मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।**
**विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल  लैन  कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।**
**न मंगली मंगल राहु योग।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र लैन  कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।**

**त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr vivek कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr vivek तथा लैन में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।